


**UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)**
**उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)**
**M.A. Music(Vocal) 2<sup>nd</sup> Year Assignment**
**एम0ए0 संगीत(गायन) द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य**
**Last Date of Submission : 15<sup>th</sup> May 2013**
**जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2013**
**Course Title : Sangeet Shastra**
**Course Code : M.A.M. - 201**
**कोर्स शीर्षक : संगीत शास्त्र**
**कोर्स कोड : एम0ए0एम0 – 201**
**Year: 2012-13**
**Maximum Marks : 40**
**सत्र : 2012-13**
**अधिकतम अंक : 40**

❖ खण्ड क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं।

**खण्ड – क**

1. स्वरों की आन्दोलन संख्या को समझाते हुए इससे सम्बन्धित विभिन्न मतों को भी प्रस्तुत कीजिए।
2. भारतीय एवं पाश्चात्य स्वर सप्तक का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
3. आलाप को विस्तारपूर्वक समझाइये।
4. ध्रुपद के इतिहास, उत्पत्ति, विकास, वर्तमान स्वरूप एवं घराने पर चर्चा कीजिए।
5. शास्त्रीय संगीत व लोक संगीत को समझाते हुए इनके पारस्परिक संबंध पर भी प्रकाश डालिए।
6. दक्षिण भारतीय ताल पद्धति को समझाते हुए इसकी उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना भी कीजिए।
7. तुमरी के इतिहास, उत्पत्ति, विकास, वर्तमान स्वरूप एवं घराने पर चर्चा कीजिए।
8. भारतीय संगीत में तान के महत्व को समझाते हुए तान के प्रकारों का भी वर्णन कीजिए।

❖ खण्ड ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

**खण्ड – ख**

1. शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर में वर्णित संगीत पर प्रकाश डालिए।
2. रामायण व महाभारत काल में संगीत की स्थिति का वर्णन कीजिए।
3. दक्षिण भारतीय संगीत का परिचय देते हुए उसके स्वर, थाट, रचनाओं व वाद्यों की सविस्तार व्याख्या कीजिए।
4. उत्तराखण्ड के लोक संगीत के विषय में विस्तार से लिखिए।